

हे अगवती पीचुक रीमा हा
 रीमाता हा यम रीमाता यक
 मं सुहात मा री ॥१॥

सुगाली ॥ सुगाली ॥ अ क र थ म
इ वृत्तीनु ॥ सुगाली ॥ अ क र थ म
क न ल ॥ सुगाली ॥ अ क र थ म
रु अ ॥ सुगाली ॥ अ क र थ म
म य म त ल म वा ॥ सुगाली ॥ अ क र थ म

कई जगल गंत्य पन क पी चकापि
गमन हई की री ॥ ३४ ॥ हं दी य का त
ही पाई की री ॥ ३५ ॥ चो हं अ

रागत परा ग
नंत वाई स खेल गी हा यी ॥ कुं पार
त की मा री ग व नी अं ग व नी पी च
पा पी हा य म री मा ता हा य पी ता प क
पा प र म री मा री का ल गी म त य ॥

राग पर ॥ दु अ य क न र पर आ य ल परा म
म र सु र प र प र ॥ ३६ ॥ वी र वा मि

त्रे र्थ क हा क ले ज नी का लो अ ग र पु त्र का म
आ हे स चो ह इ स ग ग त ले हा ल ग र सु त र ए
पु त्र ग ए ॥ ३७ ॥ सा च व च रे हा ल ग र ह व
त ल गी त म री त या र ग या ओ र त म त
अ त म र हा ल ग र सु त र ए पु त्र ग ए ॥
१ ॥

तु म ही च पा तु रा ग त परा
तु म ही च पा तु म ही अ ला फ तु म ही वेली के र ग अ
ला म प ल म तु म व व वे थे च लो ह म री हां म वे
वेलो सां व री या प्य री न नी री या पे म न वे

राग ये त र
ध र सें था हं को न ओ ड के ली ये ला या म म को
स शि त म ग र ने हो त न ग या म म को ॥ ह के न च
वा व पर सां य री या या म म को न र आ ता ह
अ प र ना प य या म म को ॥ ३८ ॥

जो सा पद अमर लो गे दरी पं सा वर को
 है मने की को को अमर ने कु की पा
 म सा अ ॥ कि ॥ दरी स र्व क जो वर को
 वी को मु की जल मे की ल क डी के ली य

पु व य क म ज पर आ व ल पर ॥ कि ॥ दाल
 मा वा व च र सो ला चा दु का ल ल ॥ लू मा
 म र व पा ओ र ता ज ल य र मे रा दाल लू मे
 म स र ज रा पु व मे रा पु व ॥ १॥ वी स्वा
 भी त ने की की काल ज नी का पो
 म ग र पु व का स च दे स चो दे ई स ज
 म मे दाल लू मे रा स र ज रा पु व मे रा
 ॥ २ ॥ पु व य क

राग गजल

म ग र दे चा द तार ने की लो प्र म का नाम
 म मे जो स चो दी है न द र दे ज ॥ कि ॥

म ग र मे दी ल ल गा ये जा ॥ कि ॥ न सा ता
 का म आ ये गा न स तु पी तु मा तु ओ वा रा
 ॥ ये म ल व के स क ल सा थो ई दे पु रे दू
 गा ये जा ॥ १॥ न दो ल थ गा ये गो ई स मे तु
 जी से पु ल ला की र टा है ॥ च ले गा गो र कु
 ध भी ना दी व की पु व धा भी टा ये जो ॥ २ ॥
 करो मे जो क क म जो रे को दे न मा ॥ व च
 पा व य ॥ १॥ ई स्वर का ये कारी है द मे
 वी फा वा ये जा ॥ ३॥ ल पु रे पा चो है त
 मे दु ई न स व मे व चार द गा ॥ ३॥ उत्तर ना है
 जो म व सा ग र तो दरी का नाम चो ये
 ॥ ४ ॥

ॐ

१६२ २२

गान्धारी

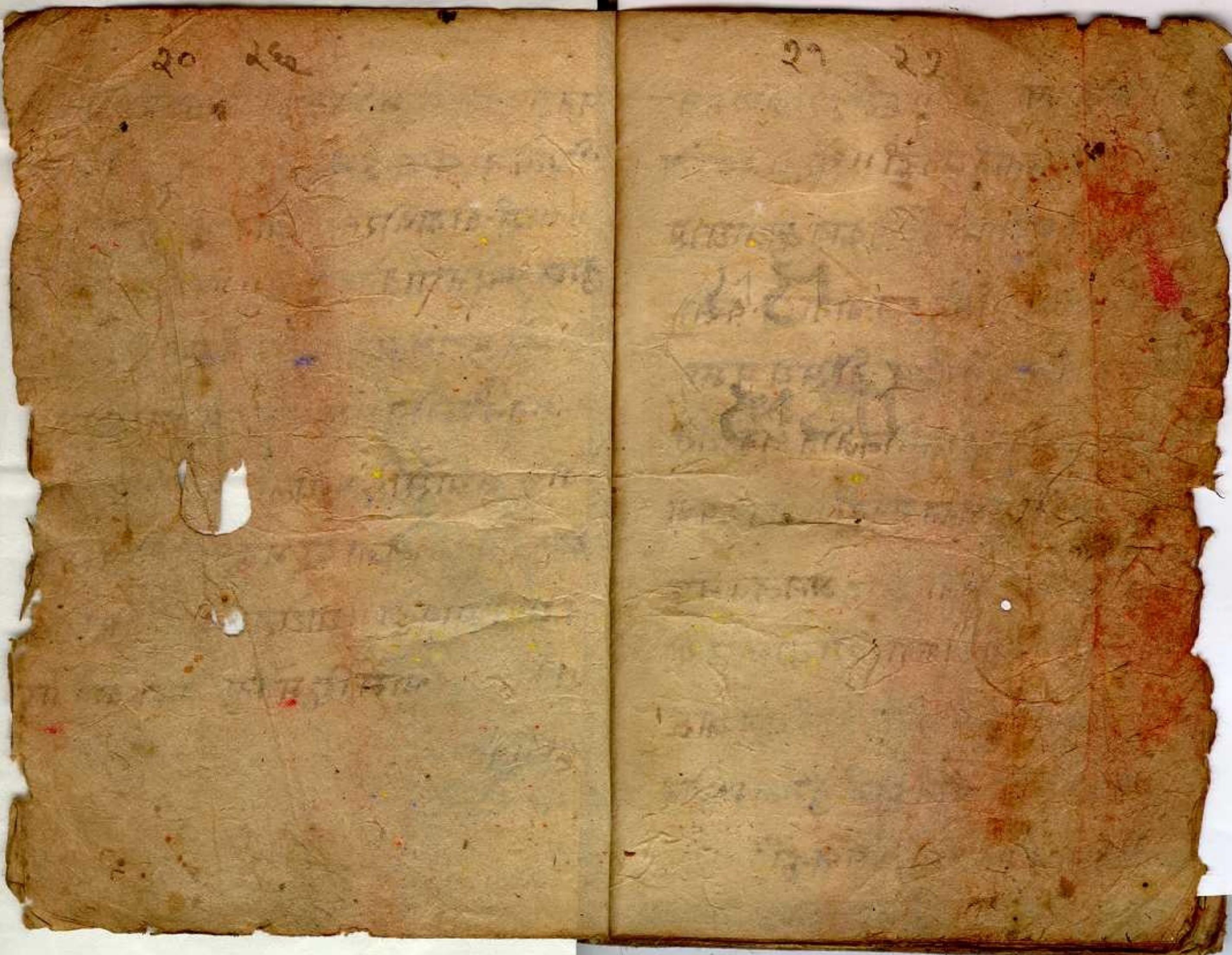
गुमकी उदय गुरु के गुरुमारी ने न न
वे गुरुमारी कारी दोगे

राग सि हाजा ॥ ॥ शुभलागो होह कारी
मा भागु माय सते दीसने ॥ धु ॥ उदय गुरु
घन नन अती जीव नन गुरुमारी

पतल अवसा मतिनेही ॥ ८ ॥ वायु गंधो
वीरती नसन फाई मद्र ताल तावत न मन मद्रु
॥ वासी-कोताधीरतीन धनि चही केव मद्रु वा
तुगल गंधे तथा वनेही ॥ ९ ॥ गन बावत का भा
दी सने पुलस वहीन सनाने दुन मा मद्रु
॥ गन नै वनीय मछु दी सने मल्लम वहीन
वात मयासहि साधला मयासा
बेल गंधे धनलला पद्रु मल्लु धुगुली प्रात
न मया सायहा ॥ पायेव मन चेलिज
राज वास भासहि मतेना वहा वन म
ही वन ॥

20 260

13 22



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ हरी हरी जीव मते
सपुत्र नीचा तार प्रतही ॥ २ ॥ नको वा
तही न जुल पुसा पीत पात काव कुयाये मि
हस कल ह ॥ ३ ॥ विने हन बोना ह ॥ कसी
म मपुत्र तनीय वे के थ जी सये पुसा
मिल हील वीन जीत धन की से
जी तो त कला मन ही ॥ ४ ॥ धन दव भा
मर मर को क आव बेल लप मर
पय ह ॥ ५ ॥ अमला तीरी या भाव श्री
रम को म मर दु को काये जी न धुगु था स
का से को म मर ही न गुगल महीन
मर मर न मर जीत को ध ही ॥ ६ ॥

रीतु पागु वेला जुल काम या मर न पुल काम
म सिने हन वाल ही ॥ ७ ॥ मर दव म मी जन जुल
जी क मर तसे पाय धुन हनु लीय रान ही
॥ ८ ॥ तिरी मर मी जन थीर वाय मर मर
दु को काये जी न धुगु था स ही ॥ ९ ॥ मर मर
क मर हन लुग लाय मर जी न धुगु था स
त ह वी नाव ही ॥ १० ॥ मर मर दु को काये
का मर तल जीत लुग न मरी मर जीत
ही ॥ ११ ॥ मर मर पाय काय मर मर जीत
व लान वी धा तार जीत जीत दु को काये
तन मर मरी जन मर मर पाय मरी जन
जल पे व पु ह मर मर ही ॥ १२ ॥ मर मर
सा जन पु ह मर मर मर मर मर मर

मोला न हो ॥ काम हरी दीर्घ न सुनि
नीठी जुल काम जुल वेशास आस कल
ही ॥ भजलने अवल न सरन सुपाके ला
व न सुनी सिंदु पाताव ही ॥ ८ ॥

सिंह जग ॥ ॥ तले मते जी दुख याना भाजु की
न काय घट ही ॥ १० ॥ दीव जीव जुल चका तीव क
दी शिन भान ॥ सर नत वी मोये जी म दाला हीर
काय दीव थले कीतु कीतु नाम कासे सदान जी
म क दाला यला ॥ ११ ॥ काये पुहतास काया येने
क भवा काजीने छनंत थव भल बने दाल ॥
छन नाम पुता यावे लोफन को यावे लाणा भरी
पोमाव घने ही ॥ १२ ॥ काये जी थव भास भूये
न वारी कर भले दीया काय जवु जुल ही ॥ १३ ॥
दी धाला म भाजु गुणत अकने धुन ही न

[Faint handwritten text in Devanagari script, mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

मर्म होइ तोना यव ह ॥ ३॥ कन जावने बाल
जीव ह यने जुम ह थु व मीले जुम फर वला भी
साया वानी म भीलीथु ह थु वाना मनी व
ल ह न जीव पुवे म दुर् ॥ ४॥ दुम या म क
जा जीव म व म दु ही बीगरी नीव जीत म व
को व बीवने धर्म हीत जुल अतो दुम जुल
जित ह यां क म म पल ह ॥ ५॥

॥ ॥ गोपाल ज पुने मते धनि सी हा
जावने ला ॥ ॥ वेस जीकाल ध नि हीत जो शे
जीम धुनी ही मनीव मती म जीपा मनी ॥ स्पे
म व मनी पु म म सी या नी ही बाल सो ध
जीम ह ला नि ॥ ९॥ जात जी म ल नील सी क
म म यानी हीत को ध ले म म या नी दान

जाव वनि हलास म माल नि जी पत स हो वर स
याते फर तीनी ॥ २॥ म्वात्र जा मु मु ती नी म न
क म त थ नि वल स होई आसा द नि ही ॥ हंता स न
स व म त थ नि जी न वी व ती या य या न तो लो ह
ल पो ल जा म नि ही ॥ ३॥ काम या म्वात्र या ला
म ता स म व र न म से चो नि ध व म ध म र
का म ह ॥ ४॥ पती श्री मी या ध नि वेद स द त
नि काम स म दु ल जा नि ही ॥ ५॥

ही सि हा जा ॥ ६॥ नी २ म मी ह न व ह म जो म
ह ने ॥ ७॥ म प ना स ध नि व जी वा स न ई क
गर म या म ल हा ई व ॥ ८॥ ना व मो स जी नि ह
मु म द या व जी म न उ ह नि थो न ह नी म न

॥ प्राण तुल्य नाव नखनी मजीपाव वनव
 वीरुन गनावन संरी मही नाव लाहारी के
 नाव वे रा नजीगु लोपे मही व ॥ ॥ जो भ
 न तुल आन पु भु महु स्व याव होन की जी
 गु दुष सिपाव ॥ काम जु वो नाव वीव जी
 मर को दीव अनेग पुने फल लाई के ॥
 मिये ने मजी याव लज्जा फची त थव जी
 वि लाव नहु धाई व ॥ जीवाम तो नावो
 वीव दुषा सखी दु व नाव सह श्री नीतीव
 न नाव ॥ जीवने सुमसिव सु व नाव ने निव
 नाव धका के ने जीम दाला ही ॥ इत सखी
 मर नाव हुता मर लाव कल व कल पुने सि

यद मज्जु ही ॥ ॥
 ॥ ॥ मते २ श्री भीम राज मंगल
 धाहु ने ॥ ॥ नको स मास वव वीवार दाना जी
 नतल प्रभु सरोपे धाल ही ॥ ववा जी द द की
 मदरा मी व ल प्रभु मद पे का धा ना जी अदी पु
 व तुल ही ॥ ॥ गतागने मज्जु पुन ना ना
 मनेन प्रभु जी मर अदी दुष तुल ही ॥ काम म
 इ श्री नाव मलो य धका जीने अनेग रस के ने
 न ही ॥ २॥ अखले प्रभु धी के सह म जीवी म
 जीवना ही मथे मय ही मको धा जु नर म
 मानी मद पे काव बोने जी अती जीम क
 ही ॥ ३॥ गतागने मजी से जी जीवना जीवना

मास या सखसनी ही वनेही ॥ ६ ॥ तपा मनु
 तीरी जीस या भाला हीत भीतक नीदान या
 मचोव हा ॥ ७ ॥ मत्तनी वने तुल जीव गाय
 य आस मी गल पाताव होयेही ॥ सुमं गल सु
 दीन सुनु सुपला घरीस मी गल पाताव होये
 ही ॥ ८ ॥ लस लगी जो राव मी गल पाताव काव
 पोपी मत्र काल पाव याही ॥ वरगी लमीजी
 मत्रले कोवी न सुमि ह्याक ही तया पा ल
 कोही ॥ ९ ॥ देया लुका वसेमिसे दो
 हावने मत्र सुदु मत्रस अती अतीमावही ॥ १० ॥
 हा वना सोया जीव अ धकांल लुका सोन
 जीवस सोनी ह्या चोताही ॥ ११ ॥ वरु प्रभु
 मायाव नपाये मने नयो जीमन नगातये म
 कोका लीर गवानी हार लुको दती थो जी

वया मदेह जुलही ॥ १२ ॥ थात पा पती येन कु
 स जने येन वका पती सत याव हलही ॥ तीरी
 या मत्र दोड कीरज याव वका पती सत याव ह
 लही ॥ १३ ॥ चाने हीन वहा प्रभु लुका नाने लरी
 गलाव जीस ही वनही ॥ जव जव सोया जीव
 धाकत जी लुका कोन देहा सहा याये मजी व
 ही ॥ १४ ॥ तसु प्रभु राई वका मल येने धा
 निस पती सत याव हलही ॥ थुगु मल वली
 से तोने माल लम ये नाने खाल सहा दये
 कही ॥ १५ ॥ चाने हीन सुन लया श्री भीम
 न जी प्रभु नाने येन कीव ही ॥ जीगु दुख
 तवीन भीम राजान जीमन पुरे याका प्रस
 न ॥ १६ ॥ भीम सत्र या दयाने नाने येने

श्रीरु कुसल नयन हूँ ॥ तीरीयात तमन म
 धन धातु काय मनस अती रस नाय हूँ ॥ १३ ॥
 भीम सेन पा. दधाने होने दत धानि रस र
 गदय काव हूय हूँ ॥ रसर गयामा चेतले
 रसने पाव सताया. दने जीवीयाता-दोन हूँ
 ॥ १४ ॥ नेपाल पा हुन कली श्रीरुन वहा हूँ
 ॥ १५ ॥ धामत वाय हूँ ॥ लोकया धी क
 ॥ १६ ॥ जीवीतीतमे सुमया अर्नद बीजा
 ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ भले र भीम राज ॥

साग निहा जा ॥ ॥ श्रीरु धामु नाम क
 ॥ १९ ॥ कातुना माहुने ॥ उवद कपुरीया नाम श्री
 ॥ २० ॥ वन आदी पुमूय धका । सया हूँ ॥ सि
 ॥ २१ ॥ ह्या ह्याम दोसे नीकल पाय ॥ २२ ॥ दयेकु

थोई सा माग माग लवीय कुनी ॥ जो नाम श्री
 नई आलने ॥ १९ ॥ गगन वान अहमा भे मु
 ती निर मल सरी र भुपती अतीन वल धुपी
 निगुली दैत दुपु कुपुले तल थो सीला र सग
 ॥ नामे कासे लुमन कावा सि धजक धम हूँ
 २॥ सुवरन सुहरी रल सभभव मुनी लोक
 अभ यमु हूँ ॥ अतीन हूँ ते सग लर वजा
 ह्यस बोसे लोकया वहीन स्वतास तप्यावे
 मते मई सतीक पी हुने ॥ ३॥ अमृत पा वर
 अभी ताभम मुनि जुगल जुगा जुग न हूँ
 ताहक चलकीसे वापी कपाते स्वमा न भु
 ह्य-वोरस्प नीजाव ध्यालन वाये मी मी
 धक चीन याहुने ॥ ४॥ कम धम रान वजा

मुहूर्ती लोकल भुवन मुहूर्ती ॥ वली पीछा का
 इत वसया ध्यात नागतु ॥ १ ॥
 ॥ दीये मत लोकले न पद पीन ॥
 ललीकली भली प्रचा स्वव मत कल
 पु वा ह्युती जोंन मर पु ॥ धर प्रमोल
 गुल भालतक श्वतले पीमली नीती
 तुं स्वातही ॥ ॥ थो जुगल अजु मुनी स्वव
 स्वव मइ पनी ॥ मपलहं कापत पुधसे
 लन गुल बापाहीन गुल सोल वो मुसी
 लसतुक गुल ल्यामु की वधे सने मते वमई
 मनीकीका हुने ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 मल्ल स्वव मयु स्वव नकी दान वर म
 या साजना पीना नकी पुयेके वया दीज
 धर्म वधे पीप स्वव ॥ ॥ ॥



राम शिखा आ ॥ ॥ श्री ह्रींम सेत दया
 दैवी हुने ॥ ॥ ॥ ततो मदी वहीता नय
 यमभालजा सेने हरी ही हस्तु थी ना ही ॥
 ॥ १ ॥ अथ वाये मत भीला वने गुल हवा
 रति मद सया तरी वीर्य सक्तु ॥ २ ॥
 मनु मने गयो श्रीन ही गु रूप जो भव म भा
 लजा ही व नीद नाल ही ॥ मनु मे जत्र म कुये
 न कुल स हल सार मद स ह बुल जिते ही
 ॥ ३ ॥ वाये गये ही व जीव बलि मया धो पी
 रति धनु गाल गयो वाय धाये ही ॥ ४ ॥
 काये मत भीला गुल धर्म धाये स्वब लो
 म न चलो ये काय तथे ही ॥ ५ ॥ गीर जो
 मी थो मरी र गत हने थो मर गत गु मि
 को मी निने र ही ॥ ६ ॥ अथी धा ला द

(Faint, mostly illegible text on the right page, possibly bleed-through or very faded script.)

सतगुरु स्वतः प्रीति दयो प्रदो जो नानु
 द्याही ॥ सतगुरु स्वतः प्रीति धुन स्वतः प्रभुक
 नानु स्वतः धुन दीधर्मधुली ही ॥ ॥ का
 स डन अथे भाषा डली पापी जी अना
 मा ली वी व कन सोचे मरुता ॥ ६ ॥ ला
 गन वस प्रभु ला की व दई वर ला मरु जु
 अथ भज मोने ही ॥ देत देनी भगव भजना
 या व प्रीति दई वया दया दयु धुका ही ॥
 ननु लागा तु वले मंगल दीपी तुल सम
 र ला थोव जुव ही ॥ अमे प्रीति प्रीति
 व वा हु डुया प्रताप वेल ही ॥ ८ ॥

राजसिन्हा जा ॥ ॥ मरीरस मरुतले कुन
 कोल भाजु ॥ मरीरस फल नि स प्रमाद ही ॥
 १ ॥ की भाजु रुई धका कुलि की फला लागा
 मालाया लया ॥ की भाजु दुमा कारन मरु
 या ही ॥ २ ॥ काये मरुता गुड धका अरुता
 नतया जो ना ॥ तुलने हया घमचा तुल ही
 ३ ॥ हया घमचा तुल चका लया मरु
 वन ॥ लेस व व परि सेने धानु धका
 व स्वया जुल ही ॥ ४ ॥ आजु वया ना
 वत सो थोवाल अ या आला परि ॥ आजु
 वाया धर्म मरुता थोवाल अ या मा मरु
 ॥ ५ ॥ ली वु पावे दया मरु प्र भु पावे व
 जा मरु ॥ कोने यात दीध जीत मरु ही

६॥ धनिवा दीन धुगु तुगल तय मजी
॥ कारे करव धुगु धुम पुत कीय ही ॥

राग सिद्धा ज्य ॥ ॥ सारवा कारव वीध
कुल काय. सिद्धि दाता गत पती देव ही ॥ वनि
आया सम धर्म वागात काय चोत. काल सुधी
तन वाग राजाई ॥ श्रीभुवन रघुनाथाक मदी
देवा धर्म ॥ १॥ मदींद्रा धर्म लोक या धर्म
कासे. समस्तन बोधा काय हल ही ॥ मद्य रा
जासेई गंधर्व प्रभु अरु. प्रीथी वीर लोक पु
ही हल ही ॥ सोप २ भरे या नास वागात काय
हल ही ॥ २॥ धनि वाकारत वलीआ. सम
धर्म. वा गात काय वीर तल ही ॥ वाधीये
न जोने चीर ची नारा पन धन या जाया

६५
काल कहूँ ॥ वीथी वीर भरे या ना. वागात
का हल ही ॥ ३॥ कनू लकी वीये. जामी कीहा
लवने हल पो पुधन काय वय ही ॥ ४ जीव ले
सपाधा फकोन समाल नि याय ही ॥ ५॥ म
याधे लकोन. हयक चाकासे जीव. सुउसे
समालनी याये ही ॥ समा भती यागा चोत
ल. तव सित भाजु माल. कुसु रही लाव
ही ॥ भाज २ र्क र्क हय कर लहास. सु
कल येन ही ॥ ७॥ अयले मई धन. धन
पने लेना. लसी कल समा यागा चोत ही ॥ ८
वता मधु भाजु. दी पुस वापीये चका. ज
मीन दम कल वने ही ॥ समा भती यागा
वने मिल ही ॥ ९॥ जेवता कारन वना मधु म

239542

३८

243

1110. 1111. 1112. 1113. 1114. 1115. 1116. 1117. 1118. 1119. 1120. 1121. 1122. 1123. 1124. 1125. 1126. 1127. 1128. 1129. 1130. 1131. 1132. 1133. 1134. 1135. 1136. 1137. 1138. 1139. 1140. 1141. 1142. 1143. 1144. 1145. 1146. 1147. 1148. 1149. 1150. 1151. 1152. 1153. 1154. 1155. 1156. 1157. 1158. 1159. 1160. 1161. 1162. 1163. 1164. 1165. 1166. 1167. 1168. 1169. 1170. 1171. 1172. 1173. 1174. 1175. 1176. 1177. 1178. 1179. 1180. 1181. 1182. 1183. 1184. 1185. 1186. 1187. 1188. 1189. 1190. 1191. 1192. 1193. 1194. 1195. 1196. 1197. 1198. 1199. 1200. 1201. 1202. 1203. 1204. 1205. 1206. 1207. 1208. 1209. 1210. 1211. 1212. 1213. 1214. 1215. 1216. 1217. 1218. 1219. 1220. 1221. 1222. 1223. 1224. 1225. 1226. 1227. 1228. 1229. 1230. 1231. 1232. 1233. 1234. 1235. 1236. 1237. 1238. 1239. 1240. 1241. 1242. 1243. 1244. 1245. 1246. 1247. 1248. 1249. 1250. 1251. 1252. 1253. 1254. 1255. 1256. 1257. 1258. 1259. 1260. 1261. 1262. 1263. 1264. 1265. 1266. 1267. 1268. 1269. 1270. 1271. 1272. 1273. 1274. 1275. 1276. 1277. 1278. 1279. 1280. 1281. 1282. 1283. 1284. 1285. 1286. 1287. 1288. 1289. 1290. 1291. 1292. 1293. 1294. 1295. 1296. 1297. 1298. 1299. 1300. 1301. 1302. 1303. 1304. 1305. 1306. 1307. 1308. 1309. 1310. 1311. 1312. 1313. 1314. 1315. 1316. 1317. 1318. 1319. 1320. 1321. 1322. 1323. 1324. 1325. 1326. 1327. 1328. 1329. 1330. 1331. 1332. 1333. 1334. 1335. 1336. 1337. 1338. 1339. 1340. 1341. 1342. 1343. 1344. 1345. 1346. 1347. 1348. 1349. 1350. 1351. 1352. 1353. 1354. 1355. 1356. 1357. 1358. 1359. 1360. 1361. 1362. 1363. 1364. 1365. 1366. 1367. 1368. 1369. 1370. 1371. 1372. 1373. 1374. 1375. 1376. 1377. 1378. 1379. 1380. 1381. 1382. 1383. 1384. 1385. 1386. 1387. 1388. 1389. 1390. 1391. 1392. 1393. 1394. 1395. 1396. 1397. 1398. 1399. 1400. 1401. 1402. 1403. 1404. 1405. 1406. 1407. 1408. 1409. 1410. 1411. 1412. 1413. 1414. 1415. 1416. 1417. 1418. 1419. 1420. 1421. 1422. 1423. 1424. 1425. 1426. 1427. 1428. 1429. 1430. 1431. 1432. 1433. 1434. 1435. 1436. 1437. 1438. 1439. 1440. 1441. 1442. 1443. 1444. 1445. 1446. 1447. 1448. 1449. 1450. 1451. 1452. 1453. 1454. 1455. 1456. 1457. 1458. 1459. 1460. 1461. 1462. 1463. 1464. 1465. 1466. 1467. 1468. 1469. 1470. 1471. 1472. 1473. 1474. 1475. 1476. 1477. 1478. 1479. 1480. 1481. 1482. 1483. 1484. 1485. 1486. 1487. 1488. 1489. 1490. 1491. 1492. 1493. 1494. 1495. 1496. 1497. 1498. 1499. 1500. 1501. 1502. 1503. 1504. 1505. 1506. 1507. 1508. 1509. 1510. 1511. 1512. 1513. 1514. 1515. 1516. 1517. 1518. 1519. 1520. 1521. 1522. 1523. 1524. 1525. 1526. 1527. 1528. 1529. 1530. 1531. 1532. 1533. 1534. 1535. 1536. 1537. 1538. 1539. 1540. 1541. 1542. 1543. 1544. 1545. 1546. 1547. 1548. 1549. 1550. 1551. 1552. 1553. 1554. 1555. 1556. 1557. 1558. 1559. 1560. 1561. 1562. 1563. 1564. 1565. 1566. 1567. 1568. 1569. 1570. 1571. 1572. 1573. 1574. 1575. 1576. 1577. 1578. 1579. 1580. 1581. 1582. 1583. 1584. 1585. 1586. 1587. 1588. 1589. 1590. 1591. 1592. 1593. 1594. 1595. 1596. 1597. 1598. 1599. 1600. 1601. 1602. 1603. 1604. 1605. 1606. 1607. 1608. 1609. 1610. 1611. 1612. 1613. 1614. 1615. 1616. 1617. 1618. 1619. 1620. 1621. 1622. 1623. 1624. 1625. 1626. 1627. 1628. 1629. 1630. 1631. 1632. 1633. 1634. 1635. 1636. 1637. 1638. 1639. 1640. 1641. 1642. 1643. 1644. 1645. 1646. 1647. 1648. 1649. 1650. 1651. 1652. 1653. 1654. 1655. 1656. 1657. 1658. 1659. 1660. 1661. 1662. 1663. 1664. 1665. 1666. 1667. 1668. 1669. 1670. 1671. 1672. 1673. 1674. 1675. 1676. 1677. 1678. 1679. 1680. 1681. 1682. 1683. 1684. 1685. 1686. 1687. 1688. 1689. 1690. 1691. 1692. 1693. 1694. 1695. 1696. 1697. 1698. 1699. 1700. 1701. 1702. 1703. 1704. 1705. 1706. 1707. 1708. 1709. 1710. 1711. 1712. 1713. 1714. 1715. 1716. 1717. 1718. 1719. 1720. 1721. 1722. 1723. 1724. 1725. 1726. 1727. 1728. 1729. 1730. 1731. 1732. 1733. 1734. 1735. 1736. 1737. 1738. 1739. 1740. 1741. 1742. 1743. 1744. 1745. 1746. 1747. 1748. 1749. 1750. 1751. 1752. 1753. 1754. 1755. 1756. 1757. 1758. 1759. 1760. 1761. 1762. 1763. 1764. 1765. 1766. 1767. 1768. 1769. 1770. 1771. 1772. 1773. 1774. 1775. 1776. 1777. 1778. 1779. 1780. 1781. 1782. 1783. 1784. 1785. 1786. 1787. 1788. 1789. 1790. 1791.

पतन होयही ॥ परगत मेपासा भाजु तुर
त घनेनेही ॥ १३ ॥ मासो र भाजु ही स्या
समत दीन सयाधे रस जीनवीयेही ॥
आमलीत भाषान जीवना दया दत जी
अती रसताय धुनही ॥ नील सुख व्याल
घाना आली गन चोन ही ॥ १४ ॥ धन दो
भाजुने लहेस हाय कन बा धवे धनका
धनकी धमनी नस्वसे भाजुजा अती रस
तालही ॥ नील सुख व्याल घाना आली
गन धुनही ॥ १५ ॥ अयले भाजु हाये दीव
धन नेने धुन जीतजा दता चीन पहातही
जान पजलात मई जीनहु वृद्ध वीये जीयेदु
जुद्धमो दत की काय ही ॥ नील सुख व्याल

धुन जीवनेते की वृद्धता भोने लही ॥ १६ ॥ स
बाधे फकोने रस जादने धुन पुसा मीन मी
ई जीवनेते लही ॥ आसो मइ धन जीवनेते ल
ह भती दुवताये मतेही ॥ जोये र कन वं च
म्या स्वात कासे जोना वृद्धी ही ॥ १७ ॥ धु
ज्वात पत्र मीसा गुगु ज्वात पत्र दैत देवजा
करी जासे वलही ॥ बुड को धु धु सिई ल
यक्यां च म्या स्वात जोना वृद्धाय भत जा
लही ॥ वाय भत जाही घाना चोना भती च
ली पालात ही ॥ १८ ॥ आम जा मत जीनगु
मसिया मइ धनय मन्वा लई वामीये धु
नही ॥ लोप कया च म्या स्वात जोना वृद्धाय
जीत ही मीत धु फो र काव ही ॥ ज्वा मी लये

समाप्त होय स्वात कल ही ॥१५॥
 आयाड कल न हो सोम
 आस कासा दीन ही ॥ धुगुली यह
 धा धनि सो प्रवाल मल ही ॥ जा
 नर हल रस तासे निरा जा धुन ही ॥२०॥
 राग सिन्हा ॥ ॥ धुगुली कल न्यासि मीला
 न का बायो धन भरी जा ॥ लसी कल मीला
 रं ह मी या स्वात का न्यासी कनि स्वये नर्य न्या
 नितु ही का ॥ नीर पात सावा गली धा मुनि
 नीतु या पतासि का न्यास कल मीला पुल मा
 लका ॥ धधु को धुनने रात धवती धा भूत
 ता नया न दो या प्र नव थो हे न्यास का मीग
 नु मरु देव का भात मरु न्यास का धनु वरु

न्यास का हे न्यास का ॥ धी न
 ल भरी लुं ही का धातु न्यास का
 ॥ धव जीत धी का न्यास का धातु न्यास का
 वली धु ह म न मरु न्यास का धातु न्यास का
 का का धी ही का धातु न्यास का धातु न्यास का
 ले दे न क ह का ॥ धु या का धी का धातु न्यास का
 का नु वने म न नु न्यास धी धी न्यास का
 राग मालवी ॥ ॥ मरु भूत न्यास का धी न्यास का
 धु म न्यास का धी न्यास का धातु न्यास का
 अह हा सिने मुस्क ली का धी न्यास का
 का धी न्यास का धी न्यास का धातु न्यास का
 का ॥१॥ धु न्यास का धी न्यास का धातु न्यास का
 इ ति नाली का ॥ धु न्यास का धी न्यास का धातु न्यास का

४५ ६०

रुद्राक्ष जलीका ॥२॥ मुक्त केशिनि. वी
 कटु पीरिग. रुद्राक्ष जलीका ॥ सृष्ट
 योगीश्वरी नाच सोभीनी. माल मुन्द को भारी
 का ॥३॥ भक्त तुमारी. दीप तुमारी. दीजे
 पाप हरीलीका ॥ वीर बाह दुर सेवक भव
 सागर जार लरीलीका ॥४॥

मे २९१ ६५ २६० ६५

| ७ | मम ७१०० | जो १६ | ११६० |
|----|---------|-------|------|
| ८ | | | |
| ९ | | | |
| १० | | | |
| ११ | | | |
| १२ | | | |
| १३ | | | |
| १४ | | | |
| १५ | | | |
| १६ | | | |
| १७ | | | |
| १८ | | | |
| १९ | | | |
| २० | | | |
| २१ | | | |
| २२ | | | |
| २३ | | | |
| २४ | | | |

४७
का धी को दा टी

७

८

९

१०

११

१२

१३

१४

१५

१६

१७

१८

१९

२०

२१

२२

२३

२४

२५

४८
हारा वाट मा

मुहीत फ हातवी पालना की मान
दरहनवी प्रतीत फटना तथा
यदुत हा अगला दो पा मान वन
वैहा क यत्रा हान गुला फ १९
पुल्या ॥ जालन प्रती आ पा
तपा जो अनग य हा ह पाना मे
ने छी ॥ वीर फ र म ॥ मे
य म की य म हान प्री त हान
आ व पीर हान ६५ आ वोन य
पा हान ॥ पु व म पाना प
पा म फ पा पाना वीर

श्री तलननानंटे ॥ २ ॥ आवन
 मा मेसु कुन्ती रा जा आ प्रवप
 मेसा ५ काल च प्रसा १२ पाही
 सुपा हाना प्रस ह म द्र मी मा
 नं आवी हा ल धी ग वी २ ह नं टा
 आ न तु ल ही वि प्रो जी का त
 न का २ सी का मा नी अ का मा
 गी हानटे ॥ अर द ह्ये त था
 चं क मा था ते ज यं ५ नो येन
 न प्र म धी ग वी २ ह नं टा ॥ ४ ॥
 मं श्री २० प्रस हा पा ची न दा
 मेसा ५ पा व ह १ म म २ मी

हा म पु हानटे ॥ हे मं वी पु
 पा ची क ह हा म म फ ट
 ह पा ना चाना प्र मु क गु वी
 २ ह नं टा ॥ पा मा व ह मी
 ह्या काल गु न मु न ह्या हा
 ची न ही सी ल मन ज म वा
 न मा ॥ २ ॥ सी ते ही क मन
 अ ती जल प्र म मु ट न पा ना
 न मन पा जी कु हा रे ॥ ६ ॥

[illegible]

137

140

140

140

140

140

140

140

140

140

140

140

140

137

140

140

140

140

140

140

140

140

140

140

140

140

137

140

140

140

140

140

140

140

140

५६

५४

१७५

५०

५५

मा. ४२५

४५

मा. ४२५

११५२

मा. ४२५

१५०

१५०

323

STANDARD

253

सुभाषित माला